2017

HINDI

[Honours]

PAPER – VI

Full Marks : 90

Time : 4 hours

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

[NEW SYLLABUS]

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 15 × 2

(क) 'यशोधरा' काव्य के आधार पर मैथिली शरण गुप्त की नारी–भावना पर विचार कीजिए ।

(ख) पंत के प्रकृति-चित्रण पर प्रकाश डालिए ।

(ग) 'चाँद का मुँह टेढ़ा है' कविता की मूल संवेदना पर विचार कीजिए ।

(घ) पठित कविताओं के आधार पर धूमिल की भाषिक चेतना का विवेचन कीजिए ।

(ङ) त्रिलोचन की सामाजिक चेतना पर विचार कीजिए ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 8 × 4

(क) काव्य-शिल्प की दृष्टि से 'कामायनी' के 'लज्जा' सर्ग की विशेषताएँ लिखिए ।

(ख) 'तुलसीदास' कविता के माध्यम से कवि क्या संप्रेषित करना चाहते हैं ?

(ग) 'मैं नीर भरी दुःख की बदली' के काव्य-सौष्ठव पर विचार कीजिए ।

(घ) 'बना दे चितेरे' कविता का भाव-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) 'अकाल और उसके बाद' कविता की मूल संवेदना पर विचार कीजिए ।

(च) "मुक्तिबोध ने आपनी जीवन दृष्टि को अत्यधिक कलात्मक रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है" — इस कथन के आशय को स्पष्ट कीजिए ।

(छ) धूमिल के व्यवस्था विरोधी स्वर की समीक्षा कीजिए ।

(ज) त्रिलोचन की सॉनेट कला पर टिप्पणी लिखिए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं *पाँच* का सप्रसंग व्याख्या लिखिए : 4 × 5

(क) जागो, जागो आया प्रभात
बीती वह, बीती अन्धरात
झरता भर ज्योतिर्मय प्रपात पूर्वांचल
बाँधो, बाँधो किरणें चेतना ।

(ख) वह एक बूँद संसृति की
नभ के विशाल करतल पर
डूबे असीम सुषमा में
सब ओर-छोर के अन्तर ।

(ग) विस्तृत नभ का कोई कोना
मेरा न कभी अपना होना
परिचय इतना, इतिहास यही
उमड़ी कल थी, मिट आज चली ।

(घ) दाने आये घर के अन्दर कई दिनों के बाद
धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद
चमक उठी घर-भर की आँखे कई दिनों के बाद
कौए ने खुजलायी आँखे कई दिनों के बाद ।

(ङ) हड़ताली पोस्टर
बड़े-बड़े अक्षर
बाँके-तिरछे वर्ण और
लम्बे, चौड़े घनघोर
लाल नीले भयंकर
हड़ताली पोस्टर ।

(च) असंख्य दबावों, तनावों, खीचों और मरोड़ों को
अपनी द्रव एकरूपता में समेटे हुए,
असंख्य गतियों और प्रवाहों को
अपने अखण्ड स्थैर्य में समाहित किये हुए ।

(छ) चेरी भी वह आजकहाँ, कल थी जो राजी;
दानीप्रभु ने दिया उसे क्यों यह मनमानी ?
अबला जीवन हाय ! तुम्हारी यही कहानी
आँचल में है दूध और आँखों में पानी !

(ज) दीप स्वरों के पथ पर रखता मैं एकाकी
बढ़ता रहा, रूका कब ? इनकी उनकी आशा

मुझे नहीं थी, विषपायी था, कभी सुधा की
चाह नहीं की, नही अमरता की परिभाषा ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं *आट* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1 × 8

(क) यशोधरा किस घटना पर आधारित है ?

(ख) कामायनी का प्रकाशन वर्ष लिखिए ।

(ग) हिन्दी में मुक्त छन्द का प्रारम्भ किस कवि ने किया ?

(घ) छायावाद के किस कवि को 'प्रकृति का सुकुमार कवि' कहा जाता है ?

(ङ) 'आधुनिक युग की मीरा' के नाम से कौन परिचित है ?

(च) अज्ञेय का पूरा नाम लिखिए ।

(छ) किस कवि को लोक प्यार से 'बाबा' कहते हैं ?

(ज) 'अंधेरे में' कविता प्रथम बार किस पत्रिका में प्रकाशित हुई ?

(झ) 'रोटी और संसद' किस कवि की रचना है ?

(ञ) 'ताप के ताए हुए दिन' किसका काव्य संग्रह है ?

(ट) 'काव्य आत्मा की संकल्पनात्मक अनुभूति है' –कथन किसका है ?

(ठ) सॉनेट में कुल कितनी पंक्तियाँ होती हैं ?